कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

किसान मेला - 2025

''मरूधरा में द्वितीयक कृषि से सम्पन्न किसान''

02 - 04 मार्च, 2025

जलवायु अनुकूल टिकाऊ कृषि, समृद्ध कृषक एवं विकसित भारत साकार करने की संकल्पना/ जलवायु अनुकूल टिकाऊ कृषि, समृद्ध कृषक विकसित भारत की ओर

कार्यक्रम		
02 मार्च, 2025	:	पंजीकरण, उद्घाटन एवं प्रदर्शनी
03 मार्च, 2025	:	प्रदर्शनी, किसान गोष्ठी/ सेमीनार, प्रक्षेत्र भ्रमण
04 मार्च, 2025	:	प्रदर्शनी, किसान गोष्ठी, मूल्यांकन, समापन समारोह

कृषि एवं कृषि संलग्न विविध आयामों से जुड़े संबंधित व्यक्तियों, संस्थानों, कृषक संगठनों, उत्पादकों, एवं विपणन समितियों/संगठनों एवं कृषक उद्यमियों को किसान मेले में स्टॉल प्रदर्शन एवं सहभागिता हेतु कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर आप सभी को सादर आमंत्रित करता है |

आयोजक

प्रसार शिक्षा निदेशालय

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

342304 (राजस्थान)

आमंत्रण

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की स्थापना वर्ष 2013 में राज्य के पश्चिमी क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान, प्रसार शिक्षा एवं कृषि शिक्षा के द्वारा क्षेत्र की समग्र कृषि एवं कृषि आधारित क्रियाकलापों का उन्नयन कर विकासोन्मुखी बनाने हेतु की गई। विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में जलवायुवीय परिस्थितियाँ कृषि के लिये चुनौतीपूर्ण हैं। इस क्षेत्र में अल्प तथा अनियमित वर्षा, अधिक तापमान, गरम तेज हवाऐं, भूमी अपरदन, सिंचाई हेतु पानी की कमी तथा समस्याग्रस्त पानी एवं भूमि इत्यादि कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं। क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य का लगभग 28 प्रतिशत भू–भाग इस विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में हैं। कृषि एवं पशुपालन ही आजीविका का मुख्य साधन हैं। इन जलवायु खण्डों में कृषकों को नवीनतम कृषि तकनीकी उपलब्ध करा कर उत्पादकता बढ़ाने, लागत घटाने, जल एव मृदा जैसे प्राकृतिक संसाधनों का न्यायोचित उपयोग तथा अनुसंधान कार्य एवं कृषि के समग्र विकास हेतु दो कृषि अनुसंधान केन्द्रों मण्डोर–जोधपुर, केशवना–जालोर तथा तीन कृषि अनुसंधान उप–केन्द्रों सुमेरपुर–पाली, समदड़ी–बाड़मेर तथा नागौर द्वारा यहा की मुख्य फसलों जैसे बाजरा, मूँग, मोठ, ग्वार, तिल, अरण्डी, जीरा, इसबगोल मूंगफली, सरसों, राजगीरा, गेहूँ, मेथी इत्यादि पर अनुसंधान कार्य जारी हैं। विश्वस्तरीय निर्यात योग्य फसलें तथा उससे प्राप्त उत्पाद जैसे–जीरा अरण्डी, मसालें एवं औषधीय महत्त्व वाली फसल इसबगोल पर अनुसंधान हेतु विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उद्यानिकी फसलों जैसे–प्याज, लहसुन, व गाजर, आलू तथा नवीन फसलों राजगीरा, किनोवा, चिया, केमोमाईल, चिकोरी इत्यादि पर भी अनुसंधान प्रारम्भ किया गया हैं। आठ कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर, अठियासन–नागौर, फलौदी, केशवना, जालोर, बामनवाड़ा–रानीवाडा, गुड़ामालानी–बाड़मेर, सिरोही एवं रायपुर किसानों को विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा नवीन तकनीकों की जानकारी व कृषि संबंधित समस्याओं का निराकरण करवाने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं। विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा का कार्य चार कृषि महाविद्यालयों जोधपुर, सुमेरपुर–पाली, नागौर तथा बायतु–बाड़मेर के अतिरिक्त प्रोद्यौगिकी एवं कृषि अभियात्रिंकी महाविद्यालय, जोधपुर, डेयरी एवं खाद्य प्रोद्यौगिकी महाविद्यालय, जोधपुर और प्रबंधन संकाय भी संचालित किये जा रहा हैं।

किसान मेला आयोजन का उद्देश्य :

देश के विकास में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान है भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की स्थापना किसानों के बीच कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं कृषि प्रोद्यौगिकियों के प्रसार को प्रदर्शित करने के मुख्य उदेश्य से की गई थी इस उदेश्य की पूर्ति हेतु कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर समय–समय पर किसान मेलों, प्रदर्शनियों एवं प्रसार गतिविधियों का आयोजन करता रहता है इसी कड़ी के रूप में वर्ष 2025 में दिनांक 02–04 मार्च, 2025 (तीन दिवसीय) किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है।

किसान मेला के मुख्य आकर्षण :

कृषि की आधुनिक तकनीकी का प्रदर्शन

कृषि संबंधी कौशल का प्रसार एवं प्रदर्शन

कृषि संबंधी ज्ञान का प्रसार

उद्यानिकी एवं पशुपालन संबंधी तकनीकों का प्रदर्शन

मृदा जांच परीक्षण सुविधाएँ

सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों का प्रदर्शन

कृषि यंत्रों एवं आधुनिक उपकरणों का प्रदर्शन

डिजिटल कृषि प्रोद्यौगिकियों का प्रदर्शन

जलवायु अनुकूल कृषि तकनीक का प्रसार

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा कृषि की परामर्श सेवाएं

कृषि क्षेत्रों में उत्पादकों, सेवा प्रदाताओं, वित्तीय संस्थाओं और बैंकों द्वारा प्रदर्शनी

बिक्री के लिए फल फूल, बीज एवं पौध सामग्री की उपलब्धता

विभिन्न खाद्य सामग्री उत्पादों, श्री अन्न, फसलों, फूल, फल, मूल्य संवर्धित वस्तुओं आदि की प्रदर्शनी

प्रश्नोतरीः सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

समसामयिक खेती मुदों पर वैज्ञानिकों के साथ चर्चा

किसानों के स्टॉल के सर्वोतम प्रदर्शन को पुरस्कार

कृषि में ड्रोन के उपयोग का प्रदर्शन के साथ पौध सरंक्षण के यंत्रों एवं नवीन रसायनों का प्रदर्शन

उन्नत बीज, विश्वविद्यालय के कृषि साहित्य प्रकाशन एवं सामग्री की किसानों के लिए उपलब्धता

कृषि से संबद्ध अन्य सरकारी विभागों की प्रदर्शनी का लाभ

प्रगतिशील किसानों के साथ कृषि की जानकारी एवं अनुभवों का आदान प्रदान करने का अवसर

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की स्थापना वर्ष 2013 में हुई। यह विश्वविद्यालय, जोधपुर के मंडोर में स्थित है। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर पश्चिमी राजस्थान में कृषि विकास के क्षेत्र में अपना अमूल्य योगदान दे रहा है चाहे कृषि अनुसंधान का क्षेत्र हो या कृषि शिक्षा का क्षेत्र हो या फिर कृषि प्रसार का क्षेत्र, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर अपनी पूरी क्षमता से कृषक समुदाय के आर्थिक उन्नयन हेतु कार्य कर रहा है। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर अपने विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों, अनुसंधान एवं शिक्षण संस्थानों/कृषि महाविद्यालयों के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा कृषि के विकास एवं प्रसार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के निर्वहन में सदैव तत्पर है।

प्रदर्शकों के लिए उपलब्ध सुविधाएँ

- प्रत्येक प्रदर्शनी स्टॉल में 2 टेबल, 2 कुर्सियां और आवश्यक बिजली आपूर्ति उपलब्ध करवाई जाएगी।
- ऊपर वर्णित सुविधाओं एवं दरों में परिवर्तन, छूट एवं रियायत का सर्वाधिकार विश्वविद्यालय के पास रहेगा।

स्टॉलः

इस मेले में प्रदर्शनी हेतु विश्वविद्यालय द्वारा निम्न प्रकार से स्टॉल उपलब्ध करवाए जायेंगे।

- तीन तरफ से कवर किये हुए स्टॉल
- स्टॉल का आकार स्टॉल 10x10 x12 फीट के होंगे (लम्बाई, चौड़ाई तथा ऊंचाई)
- स्टॉल की बुकिंग कीमत :– रू. 10,000/– प्रति स्टॉल रहेगी।

अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों में और साथ ही साथ प्रिंट करने के लिए तैयार प्रारूप में सॉफ्ट कॉपी भेजी जा सकती है। इसका भुगतान निम्नलिखित बैंक खाता में किया जा सकता है अथवा नकद रूप में रोकड़ शाखा, वित नियंत्रक कार्यालय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर किया जा सकता है। भुगतान पश्चात् सूचना ई–मेल deeaujodhpur@gmail.com पर भिजवायें।

Name of Account Holder: Comptroller Agriculture University Jodhpur
Account Number: 683001700323
IFSC Code: ICIC0006830
Branch: ICICI Bank Lal Sagar, Jodhpur

डॉ. अरुण कुमार
कुलपति
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

डॉ. प्रदीप पगारिया
निदेशक प्रसार शिक्षा,
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
मो. न.– 9829155490
– 9785166642